भारतीय रेलवे के अधिकारियों के लिए ***'स्व–सशक्तिकरण की ओर एक यात्रा'*** *विषय पर आयोजित आध्यात्मिक रिट्रीट का संक्षिप्त समाचार*

माउण्ट आबू : भारतीय रेलवे के अधिकारियों के लिए शांतिवन में 1जून से 2 जून, 2008 तक के लिए आयोजित दो दिवसीय रिट्रीट का शुभारम्भ दीप प्रज्वल्लन के साथ हुआ। कार्यक्रम के आरम्भ में यातायात एवं परिवहन प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बी.के. सुरेश शर्मा ने मंचासीन वक्ताओं का परिचय कराया तथा ब्रह्माकुमारीज़ तथा राजयोग शिक्षा एवं शोध प्रतिष्ठान की गतिविधियों की जानकारी दी। उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव भ्राता निर्वैर भाई ने कहा कि व्यवसायिक जीवन में पदोन्नति से ज्यादा जिम्मेवारी मिलती है तथा जिम्मेवारी का सही ढंग से निर्वहन करने के लिए ज्यादा शक्तियों की आवश्कता होती है। उन शक्तियों की प्राप्ति के लिए सर्वोच्च स्त्रोत परमात्मा से सच्चा वा प्रेम पूर्ण सम्बन्ध जोड़ना जरूरी है। वास्तव में भौतिक प्राप्ति होते हुए भी मन में कुछ कमी का अहसास होता रहता है। इस अहसास का कारण है कि हमें आध्यात्मिकता को जानने व अपनाने की चाहत होती है। भौतिक प्रगति के साथ-साथ आन्तरिक शक्तियों के विकास के लिए हमें स्वयं को जानने व आध्यात्मिकता को अपनाते हुए स्व-सशक्तिकरण की परम आवश्यकता है। आत्म-ज्ञान व सकारात्मक दृष्टिकोण तथा सदा सीखने की भावना हो तो स्व-सशक्तिकरण सहज हो जायेगा तथा जीवन-यात्रा को सफल बना सकेंगे।

इस सत्र में मुख्य वक्ता शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष भ्राता मृत्युजंय ने कहा कि आर्थिक, भौतिक, शैक्षिक व सामाजिक सशक्तिकरण के प्रयास तो हम करते ही रहते हैं लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है स्व-सशक्तिकरण। वास्तव में स्व-सशक्तिकरण के महत्व को सही रीति से समझने की जरूरत है। हमारे भारत में बहुत से मौलिक अधिकार है लेकिन हमारा सबसे बड़ा अधिकार है- स्व-सशक्तिकरण। जीवन की सफलता के लिए अन्य सभी प्रकार से शक्ति सम्पन्न होने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है स्वयं को यानि आत्मा को आध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना। इसीलिए आपको इस अद्भुत विश्व विद्यालय में आमंत्रित किया गया है और मुझे विश्वास है कि इस रिट्रीट के माध्यम से आप इसमें सफल होंगे लेकिन इसके लिए पहली आवश्यकता है - व्यर्थ, नकारात्मक और हिंसक विचारों को त्याग कर शक्तिशाली, सकारात्मक और श्रेष्ठ विचारों की रचना करना सीखें। सकारात्मक विचारों के द्वारा जीवन में परिवर्तन कर आप भी सुख-शान्ति सम्पन्न श्रेष्ठ समाज व श्रेष्ठ विश्व के निर्माण में सहयोगी बन सकते हैं।

रेलवे स्टाफ कॉलेज, बड़ौदा के सहायक प्रोफेसर तथा ग्रुप कोऑर्डिनेटर भ्राता आर. सुब्रमणियम ने कहा कि मैं आबू में पहले भी कई बार आया परन्तु आध्यात्मिक रिट्रीट द्वारा सुखद अनुभूतियों का ऐसा सुनहरा अवसर पहली बार मिला है जिसके लिए मैं ब्रह्माकुमारी संस्था का न केवल इस ग्रुप की ओर से धन्यवाद करता हूँ बल्कि स्टाफ कॉलेज की ओर से भी दिल से बहुत-बहुत धन्यवाद कर रहा हूँ। हमारा बहुत ही अच्छा भाग्य है कि हमारे लिए ऐसा सुन्दर आयोजन किया गया है। हमें यहां पर जो शिक्षा दी जा रही है वह केवल एक दिन या एक बार खाकर खुश होने की बात नहीं है बल्कि इसे अपनाकर जीवन में लगातार प्रयोग करके जीवन को सफल बनायेंगे। इस रिट्रीट के माध्यम से तनाव से मुक्त होने तथा स्व को पहचानने की कला सीखकर जीवन को खुशहाल बनाने का सुखद अनुभव भी करते रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन यातायात एवं परिवहन प्रभाग के संयोजक सुरेश शर्मा ने किया।

इसके अतिरिक्त *तनाव मुक्ति के लिए आध्यात्मिक बुद्धिमता, सौहार्द पूर्ण सम्बन्ध, स्व की पहचान से सशक्तिकरण, परमात्मा से सम्बन्ध एवं प्राप्ति* जैसे सुन्दर विषयों पर विभिन्न सत्रों का आयोजन हुआ जिन्हें एकेडमी संयोजक, बी.के.मोहन भाई; वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बी.के.उषा बहन व वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बी. के.गीता बहन ने सम्बोधित किया। अनुभव लेन-देन सत्र में प्रतिभागियों ने बहुत सुन्दर अनुभव सुनाये तथा आध्यात्मिक शिक्षा को अपनाकर जीवन को सफल बनाने की इच्छा प्रकट की। इस प्रकार यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा। अच्छा जी सभी को बेहद ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न याद व धन्यवाद।